CSM – 43/20

Indian Language & Literature in Hindi

Paper – II

Time : 3 hours

Full Marks : 300

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates should attempt Q. No. 1 from Section – A and Q. No. 5 from Section – B which are compulsory and any ***three*** *of the remaining questions, selecting at least* ***one*** *from each Section.*

SECTION – A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $20 \times 3 = 60$

(क) 'रामचरितमानस' के सुन्दर काण्ड में वर्णित मुख्य प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग की विशेषताएँ बताइए ।

(ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'कुकुरमुत्ता' की प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए ।

(घ) 'कुरुक्षेत्र' में चरित्र विधान की विशेषताएँ बताइए ।

2. सूरसागर में गोपियों की विरह-व्याकुल दशा का अंकन भ्रमरगीत में हुआ है — सोदाहरण विवेचना कीजिए । 60

3. मलिक मुहम्मद जायसी 'प्रेम की पीर' के कवि हैं — सोदाहरण समझाइए । 60

4. गजानन माधव मुक्तिबोध की कविता 'अंधेरे में' आधुनिक काव्यकी विशिष्ट देन है — सिद्ध कीजिए । 60

SECTION – B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

$20 \times 3 = 60$

(क) 'स्कन्दगुप्त' नाटक की गीत-योजना पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'दिव्या युग-युग से शोषित नारी के विद्रोह की वाणी है' — इस कथन का सोदाहरण परीक्षण कीजिए ।

(ग) उद्देश्य की दृष्टि से 'महाभोज' की समीक्षा कीजिए ।

(घ) 'निबन्ध निलय' में संकलित किसी एक निबन्धकार (पाठ्य-क्रम में निर्धारित) की निबन्ध-शैली पर प्रकाश डालिए ।

6. रंगमंचीय विशेषताओं की दृष्टि से 'अंधेर नगरी' के महत्त्व का उल्लेख कीजिए । 60

7. 'श्रद्धा-भक्ति' निबन्ध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । 60

8. 'गोदान' कृषक-जीवन का महाकाव्य माना जाता है — इस कथन की समीक्षा कीजिए । 60